

खबर संक्षेप

40.85 ग्राम हेरोइन के साथ आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुंडली की पुलिस टीम ने मादक पदार्थों की धरपकड़ अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए हेरोइन तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान वेस्ट रामनगर, सोनीपत निवासी जतिन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 40.85 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस को सूचना मिली कि जतिन हेरोइन लेकर बिक्री के लिए हुड्डा पार्क के पास खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को काबू किया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उसकी कैपरी की दाहिनी जेब से सफेद पन्नी में रखा गांठदार पदार्थ बरामद हुआ। जांच में पदार्थ हेरोइन मिला, जिसका वजन 40.85 ग्राम था। थाना सेक्टर-27 में मादक पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

अवैध पिस्तौल के साथ युवक गिरफ्तार

सोनीपत। पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गांव पलड़ी निवासी वंश उर्फ मोटा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से देशी पिस्तौल बरामद की है। पुलिस के अनुसार 29 अगस्त को क्राइम यूनिट वेस्ट में तैनात मुख्य सिपाही मंदीप टीम के साथ मिशन चौक के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि वंश उर्फ मोटा विश्वकर्मा पार्क, रोहतक रोड के पास अवैध हथियार लेकर किसी के इंतजार में खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को काबू किया। तलाशी लेने पर उसकी पैंट की दाहिनी जेब से देशी पिस्तौल बरामद हुई। मुख्य सिपाही देवेन्द्र की टीम ने आरोपित को गिरफ्तार किया। न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सट्टा खाईवाली करते युवक को पकड़ा

गन्ना। पुलिस ने सट्टा खाईवाली के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बिजली कार्यालय के पास एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से सट्टे की पर्ची, बाल पेन और 4810 रुपये बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार एएसआई पुलिस टीम के साथ देवीलाल चौक पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि बादशाही रोड स्थित बिजली कार्यालय के पास सागर निवासी बीएसटी कॉलोनी सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने एक कर्मचारी को सिविल कपड़ों में बोस ग्राहक बनाकर मौके पर भेजा। उसे 10 रुपये का निशान लगा नोट देकर 71 नंबर पर सट्टा लगाने के निर्देश दिए गए। बोस ग्राहक ने सट्टा लगाने के बाद पुलिस ने इशारा मिलते ही आरोपी को धर दबोचा।

31 अगस्त तक ऑनलाइन एसीआर भरने का मौका, प्राचार्यों को रिपोर्ट की निगरानी भी करनी होगी शिक्षक की एसीआर लंबित मिली तो प्राचार्य भी होंगे जवाबदेह

ऑनलाइन एसीआर भरने के बाद प्रिंट विकल्प दबाकर रिपोर्ट निदेशालय को भेजना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ॥ सोनीपत

राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत सहायक, एसेसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसरों की वर्ष 2025-26 की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) को लेकर उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने प्राचार्यों की जिम्मेदारी तय कर दी है। तय समय के बाद किसी शिक्षक की एसीआर लंबित मिली तो केवल संबंधित शिक्षक ही नहीं, बल्कि प्राचार्य से भी जवाबदेही तलब की जाएगी। ऑनलाइन एसीआर भरने के लिए पोर्टल 31 अगस्त तक खुला रहेगा। प्राचार्यों को एसीआर की निगरानी के साथ उसमें दर्ज जानकारी की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। निदेशालय के निर्देशों के

तबादले और सेवानिवृत्ति की स्थिति में भी व्यवस्था तय

शिक्षकों के तबादले, सेवानिवृत्ति या प्रतिनियुक्ति की स्थिति में भी एसीआर को लेकर स्पष्ट व्यवस्था की गई है। 30 जून से पहले के तीन माह जिस महाविद्यालय में शिक्षक ने नियुक्ति या प्रतिनियुक्ति पर कार्य किया है, सामान्यतः उसी महाविद्यालय के प्राचार्य की ओर से रिपोर्ट लिखी जाएगी। प्राचार्य के तबादले या सेवानिवृत्ति की स्थिति में विभागीय निर्देशों के अनुसार एसीआर तैयार की जाएगी।

अनुसार ऑनलाइन एसीआर भरने के बाद प्रिंट विकल्प दबाकर रिपोर्ट निदेशालय को भेजना अनिवार्य है। एसीआर लंबित रहने से एक्सटेंशन इन सर्विस, सीनियर स्केल,

सिलेक्शन ग्रेड, प्रोफेसर ग्रेड और पदोन्नति जैसे मामलों में देरी होती है। इसी को देखते हुए विभाग ने एसीआर प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करवाने के निर्देश दिए हैं।



विजिलेंस जांच की भी देनी होगी जानकारी

महाविद्यालयों के प्राचार्यों को प्रमाणित करना होगा कि सभी सहायक, एसेसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसरों की एसीआर भरी जा चुकी है। यदि एक भी रिपोर्ट लंबित रहती है तो उसका कारण और विवरण ऑनलाइन दर्ज करना होगा। शिक्षक के खिलाफ शिकायत, चार्जशीट, विजिलेंस जांच या आपराधिक मामला लंबित होने की जानकारी भी एसीआर में दर्ज करना अनिवार्य रहेगा।

डॉ. तरना नेगी, जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

परिणाम का पूरा ब्योरा दर्ज करना होगा एसीआर में परीक्षा परिणाम का पूरा ब्योरा दर्ज करना होगा और शिक्षक के परिणाम की तुलना संबंधित महाविद्यालय और विश्वविद्यालय की पास प्रतिशत से करनी होगी। यदि शिक्षक का परिणाम विश्वविद्यालय की औसत पास प्रतिशत से कम है और शिक्षक इसके लिए जिम्मेदार नहीं है तो प्राचार्य को इसका स्पष्ट कारण दर्ज करना होगा।

यदि प्राचार्य का कोई सगा संबंधी उनके अधीन शिक्षक के पद पर कार्यरत है तो प्राचार्य उसकी ओवरऑल ग्रेडिंग नहीं कर सकेंगे। ऐसी स्थिति में सेल्फ अप्रेंजल में

सत्यनिष्ठा, विजिलेंस जांच या आपराधिक मामला लंबित नहीं होने का सत्यापन कर रिपोर्ट ऑनलाइन भेजनी होगी। प्राचार्यों को सत्यनिष्ठा के संबंध में केवल डाउटफुल या अनडाउट की स्थिति में स्पष्ट टिप्पणी करनी होगी। किसी शिक्षक के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी करने पर उसके समर्थन में संबंधित दस्तावेज लगाना अनिवार्य होगा। नियमों की अनदेखी करने वाले प्राचार्यों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जा सकती है। एसीआर के इंडीग्रीटी कॉलम में संतोषजनक, औसत, नहीं या शून्य जैसे सामान्य शब्द नहीं लिखे जा सकेंगे।

अवैध शराब बेचने के आरोप में चार गिरफ्तार, 100 बोटलें बरामद

सोनीपत। अवैध शराब की बिक्री और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोनीपत पुलिस ने चार अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। थाना बहालगढ़, थाना राई और थाना सदर गोहाना क्षेत्र में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने देशी और अंग्रेजी शराब की 100 से अधिक बोटलें, अर्धे और पच्चे बरामद किए हैं।

लियासपुर में 18 बोटल बरामद: थाना बहालगढ़ पुलिस ने लियासपुर में संस्कृत स्कूल के पास खाली प्लॉट में दबिश देकर पांच निवासी नसीब को काबू किया। उसके पास सफेद कट्टे में देशी शराब मार्का संतरा की 18 बोटलें मिलीं। शराब का लाइसेंस या परमिट नहीं मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया। वहीं थाना राई पुलिस ने सरकारी स्कूल के पास एक किराए के मकान के बाहर थैले में शराब लेकर खड़े बिहार निवासी रवी को गिरफ्तार किया। उसके पास से देशी शराब की 19 अर्धे और पांच बोटलें मिलीं।

कच्चे क्वार्टर मार्केट में शॉर्ट सर्किट से छह दुकानों में आग लगी, लाखों का नुकसान

■ दो घंटे की मशवकत के बाद चार दमकल गाड़ियों ने पाया काबू ■ विधायक और मेयर ने दुकानदारों को मदद का आश्वासन दिया

कंबल की दुकान में लगी आग ने देखते ही देखते साथ लगती पांच अन्य दुकानों को भी चपेट में ले लिया

हरिभूमि न्यूज ॥ सोनीपत

शहर की कच्चे क्वार्टर मार्केट स्थित झंडी मंदिर रोड पर रविवार सुबह बिजली के शॉर्ट सर्किट से कंबल की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने साथ लगती पांच अन्य दुकानों को भी चपेट में ले लिया। आग लगने से मार्केट में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सेक्टर-23, सेक्टर-3 और राई दमकल केंद्रों से चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब दो घंटे की मशवकत के बाद आग पर काबू पाया गया। छह दुकानों में रखा सामान जलकर राख हो गया। दुकानदारों के अनुसार आग से करीब 15 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

धुआं उठता देखकर मचा हड़कंप

रविवार सुबह करीब 6.30 बजे कच्चे क्वार्टर मार्केट में आग और धुआं उठता देखकर आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

पुलिस मौके पर पहुंची

पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी जुटाई। व्यापार मंडल के अनुसार फिरोज व अब्दुल्ला हैंडलूम की दुकान में करीब छह लाख रुपये, पूनम अमरदीप लेडीज सूट की दुकान में 4.50 लाख रुपये और हर्षा कॉस्मेटिक एंड गारमेंट्स में करीब 3.50 लाख रुपये का नुकसान हुआ। नदीप



सोनीपत। कच्चे क्वार्टर मार्केट की झंडी मंदिर रोड पर दुकानों में लगी आग व उठता धुआं।



सोनीपत। आगजनी से नुकसान उठाने वाले दुकानदार।

मिस्त्री की मशीनरी में करीब 20 हजार और एमएस गारमेंट्स में करीब एक लाख रुपये के नुकसान की जानकारी सामने आई है। प्रांटी मालिक सुमित ने बताया कि उन्हें फोन पर दुकानों में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके



सोनीपत। आग लगने से जली दुकान व शटर।

बाद वह तुरंत मौके पर पहुंचे। जिला व्यापार मंडल के प्रधान संजय सिंगला और कच्चे क्वार्टर मार्केट के प्रधान जवाहर चानना ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित दुकानदारों से नुकसान की जानकारी ली।



हरसंभव सहयोग करेंगे : मदान आग की सूचना मिलते ही विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित दुकानदारों से मुलाकात कर नुकसान की जानकारी ली और हरसंभव मदद व सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित दुकानदारों को अकेला महसूस नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों से भी पीड़ित दुकानदारों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

व्यापारी कल्याण बोर्ड में पंजीकरण करवाएं व्यापारी : राजीव जैन

मेयर राजीव जैन ने जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों से हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड में अपना पंजीकरण करवाने की अपील की। उन्होंने बताया कि बोर्ड के माध्यम से व्यापारी का पांच लाख रुपये तक का वित्तगत और स्टॉक का 25 लाख रुपये तक का बीमा करवाया जाता है। इससे आगजनी या आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई में मदद मिल सकती है।

6.30 बजे आग लगने की सूचना मिली

दमकल विभाग को कच्चे क्वार्टर मार्केट स्थित दुकानों में रविवार सुबह 6.30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद सेक्टर-23, सेक्टर-3 और राई दमकल केंद्रों से गाड़ियां मंगवाकर आग पर काबू पाया गया। -विनोद दुल, उप-दमकल अधिकारी, सोनीपत

चोरी की स्कूटी समेत दो आरोपी गिरफ्तार



सोनीपत। शहर पुलिस ने स्कूटी चोरी की वारदात को सुलझाते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हनुमान नगर, सोनीपत निवासी दीपक और गांव नाहरा निवासी संदीप के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार मरूप विहार निवासी धीरज ने 10 अगस्त को शिकायत देकर बताया था कि वह पांच अगस्त को अपनी स्कूटी लेकर सोनीपत न्यायालय गया था। उसने स्कूटी हनुमान मंदिर के पास खड़ी की थी। कुछ समय बाद वापस लौटने पर स्कूटी वहां नहीं मिली। शिकायत के आधार पर थाना शहर सोनीपत में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान मुख्य सिपाही कपिल की टीम ने कार्रवाई करते हुए दीपक और संदीप को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी की स्कूटी बरामद कर ली। दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलते 11 पकड़े

सोनीपत। सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। थाना मुखल पुलिस की टीमों ने कार्रवाई के दौरान आरोपितों के कब्जे से कुल 15580 रुपये की नकदी बरामद की। पुलिस ने बरामद नकदी को साक्ष्य के तौर पर कब्जे में लेकर सभी आरोपितों के खिलाफ हरियाणा जुआ रोकथाम अधिनियम, 2025 की धारा 3(1) के तहत मामले दर्ज किए हैं। सभी आरोपितों को गिरफ्तार करने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। पहले मामले में पुलिस को सूचना मिली कि पावर प्लॉट मुखल के पास झाड़ियों में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर चार लोगों को काबू किया। उनकी पहचान ताजपुर निवासी शेखर तथा मलिकपुर निवासी अमित, नवीन और सोनू के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 6,020 रुपये बरामद हुए। पुलिस ने नकदी कब्जे में लेकर मामला दर्ज किया और चारों को जमानत पर रिहा कर दिया। दूसरे मामले में भी पावर प्लॉट मुखल के पास झाड़ियों में जुआ खेलने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। मौके से मुखल निवासी सतीश, निमारपुर निवासी विकास तथा ताजपुर निवासी राजीव और सोनू को पकड़ा गया। तलाशी में उनके पास से 5,800 रुपये बरामद हुए। तीसरे मामले में पुलिस को सूचना मिली कि जेबीएम प्लॉट के पास किकरियों में तीन लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मलिकपुर निवासी प्रदीप व विवेक और मुखल निवासी अरुण को काबू किया।

के पास झाड़ियों में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर चार लोगों को काबू किया। उनकी पहचान ताजपुर निवासी शेखर तथा मलिकपुर निवासी अमित, नवीन और सोनू के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 6,020 रुपये बरामद हुए। पुलिस ने नकदी कब्जे में लेकर मामला दर्ज किया और चारों को जमानत पर रिहा कर दिया। दूसरे मामले में भी पावर प्लॉट मुखल के पास झाड़ियों में जुआ खेलने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। मौके से मुखल निवासी सतीश, निमारपुर निवासी विकास तथा ताजपुर निवासी राजीव और सोनू को पकड़ा गया। तलाशी में उनके पास से 5,800 रुपये बरामद हुए। तीसरे मामले में पुलिस को सूचना मिली कि जेबीएम प्लॉट के पास किकरियों में तीन लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मलिकपुर निवासी प्रदीप व विवेक और मुखल निवासी अरुण को काबू किया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : लोक-संस्कृति और जीवन दर्शन

जन्माष्टमी के दिन हरियाणा के ग्रामीण और शहरी दोनों ही अंचलों में व्रत रखने की एक अत्यंत कठोर और पवित्र लोक परंपरा सदियों से चली आ रही है। श्रद्धालु दिनभर निर्जला या फलाहारी व्रत का संकल्प लेते हैं और जैसे-जैसे भादों की अंधेरी रात में मध्यरात्रि के बारह बजने का समय करीब आता है, हर घर और मंदिर में एक अलौकिक प्रतीक्षा का भाव छा जाता है।



पर्व

आँचल शर्मा

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष में जब वर्षा ऋतु अपने चरम पर होती है और हरियाली से धरती का कोना-कोना खिल उठता है, तब हरियाणा का जनमानस एक अद्भुत आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उल्लास में डूब जाता है। हरियाणा में योगेश्वर की उपासना का समय आता है, जिसने इस पावन भूमि को केवल एक ऐतिहासिक युद्धभूमि नहीं, बल्कि धर्मभूमि का अमर गौरव प्रदान किया। जन्माष्टमी का यह पर्व हरियाणा के लिए केवल एक देवता के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस महान मार्गदर्शक के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है, जिसने कुरुक्षेत्र की माटी को पूरे विश्व के लिए ज्ञान, दर्शन और निष्काम कर्म का शाश्वत केंद्र बना दिया।हरियाणा के लोक-जीवन और सांस्कृतिक जड़ों में श्रीकृष्ण की उपस्थिति को देखते हैं तो वह अत्यंत सहज और आत्मीय प्रतीत होती है।

हरियाणा की लोक-संस्कृति, साहित्य और संगीत में कृष्ण कथाओं का अत्यंत प्रामाणिक और



समुद्ध इतिहास राच गया है। प्रदेश की सबसे सशक्त लोक नाट्य शैली—सांग और रागिनी परंपरा में कृष्ण के जीवन प्रसंगों, कुरुक्षेत्र के युद्ध और गीता के उपदेश का बहुत ही मार्मिक वर्णन मिलता है। पंडित लखमीचंद, बाजे भगत और मांगे राम जैसे महान लोक-कवियों की समृद्ध वाचिक परंपरा ने अपनी रागनियों के माध्यम से श्रीकृष्ण की लीलाओं और गीता के दार्शनिक ज्ञान को जन-जन की भाषा में ढालकर ग्रामीण चौपालों तक पहुंचाया है। हरियाणा की इसी सांग-परंपरा की एक अत्यंत लोकप्रिय और ओजस्वी रागिनी में गीता के उपदेश का सार बहुत ही सीधे शब्दों में गाते हुए कहा गया है कि 'बाजे शंख नगाड़े भारी कुरुक्षेत्र के मैदान में, कृष्ण जी ने गीता गाई अर्जुन के सुध ज्ञान में।' जब ग्रामीण मंचों पर लोक-कलाकार इन रागनियों को पूरी तल्लीनता से गाते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है मानो कृष्ण कोई दूरस्थ देवता नहीं, बल्कि हरियाणा की इसी धरती पर खड़े एक जीवंत मार्गदर्शक हों।लोक-साहित्य की वास्तविक आत्मा उसकी इसी वाचिक परंपरा में निवास करती है, जहां किसी रचना की प्रामाणिकता मुद्रित पृष्ठों से नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सामूहिक श्रुति-स्मृति से सिद्ध होती है। इसी निर्बाध प्रवाह में, हरियाणा के ग्रामीण अंचलों, विशेषकर बांगर

और खादर क्षेत्रों के रतजगों में, जन्माष्टमी के अवसर पर महिलाओं द्वारा समवत स्वर में गाए जाने वाले 'जकड़ी', 'पंगट' और 'सोहर' गीत इस वाचिक परंपरा के सबसे प्रामाणिक साक्ष्य बनकर उभरते हैं। इन जकड़ियों में पौराणिक प्रामाणिकता को और अधिक पुष्ट करते हैं।हरियाणवी लोक-दर्शन की एक और बड़ी विशिष्टता ईश्वर के साथ स्थापित होने वाला 'सखा भाव' है, जो माखन चोरी और उलाहना जकड़ियों में बड़ी प्रखरता से मुखर होता है। इन उलाहना गीतों में गोपियां कृष्ण की नटखट हरकतों की शिकायत करते हुए पूरी निश्छलता से गाती हैं: *काली कमली आळा मेरा, मन हर के लेंगा री। मैं तो गई थी जमुना जल भरण नै, मेरी मटक की फोड़ के लेंगा री। सासरिये में सुगै सास मेरी, मैं तो हो गई आण-निताणी री।* इन पंक्तियों में सास के तानों का भय और 'आण-निताणी' (असहाय) होने का जो भोलापन झलकता है, वह हरियाणवी ग्रामीण परिवेश के सहज मनोविज्ञान को दर्शाता है। ये उलाहना जकड़ियां रास-गीतों के साथ-साथ जन्माष्टमी के जगणियों का अभिनंग रही हैं। इन जकड़ियों के रचयिता भले ही पूर्णतः अज्ञात हों, परंतु 'आळा', 'ल्याय', 'चालैं' जैसी ठेठ क्षेत्रीय शब्दावली ही इनकी वास्तविक कसौटी है। ये किसी आधुनिक

मंदिर दो और मूर्ति एक

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

जन्माष्टमी पर हरियाणा के घरों में खीरे को काटकर उसमें से बाल कृष्ण की मूर्ति को प्रतीकात्मक रूप से जन्म दिलाने की एक अनूठी परंपरा देखने को मिलती है, जिसे लोक-विश्वास में 'नाल छेदन' का प्रतीक माना जाता है।

गीतकार की बंद कमरे में रची गई कविताएं नहीं हैं, अपितु ये हरियाणा की मिट्टी से उपजी वे ध्वनियां हैं, जिन्होंने भगवान को स्वर्ग के सिंहासन से उतारकर सीधे गांव की चौपाल और घर के आंगन का हिस्सा बना दिया है। व्रत और अनुष्ठानों की दृष्टि से देखा जाए तो, जन्माष्टमी के दिन हरियाणा के ग्रामीण और शहरी दोनों ही अंचलों में व्रत रखने की एक अत्यंत कठोर और पवित्र लोक परंपरा सदियों से चली आ रही है। श्रद्धालु दिन भर निर्जला या फलाहारी व्रत का संकल्प लेते हैं और जैसे-जैसे भादों की अंधेरी रात में मध्यरात्रि के बारह बजने का समय करीब आता है, हर घर और मंदिर में एक अलौकिक प्रतीक्षा का भाव छा जाता है। जैसे ही चांद निकलता है तो शंखों की ध्वनि और नगाड़ों की गूंज के साथ वतावरण 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से भर उठता है। इस जन्म के अवसर पर हरियाणा के घरों में खीरे को काटकर उसमें से बाल कृष्ण की मूर्ति को प्रतीकात्मक रूप से जन्म दिलाने की एक अनूठी परंपरा देखने को मिलती है, जिसे लोक-विश्वास में 'नाल छेदन' का प्रतीक माना जाता है। जन्म के तुरंत पश्चात बालगोपाल का पंचामृत से पवित्र अभिषेक कराया जाता है और उद्धे नंद रेशमी वस्त्र पहनाकर श्रद्धापूर्वक झुला झुलाया जाता है। चूंकि कृष्ण को गोपाल कहा जाता है और हरियाणा मूलतः पशुपालकों का प्रदेश है, इसलिए जन्माष्टमी पर यहां के खान-पान और भगवान के नैवेद्य में विशेष शुद्धता और देसी स्वाद झलकता है। ताजी मथी हुई छाछ से निकले सफेद मक्खन, मिश्री, देसी घी के चूरमे, धनिया के

पंजीरी और दूध को कढ़ाकर बनाए गए पेड़े विशेष रूप से अर्पित किए जाते हैं। इसके साथ ही, लोक-विश्वास के अंतर्गत इस दिन गोसेवा का विशेष विधान है, जहां लोग अपनी गांयों को स्वच्छ जल से नहलाकर सजाते हैं, हरा चारा खिलाते हैं और माथे पर रोली का तिलक लगाकर आरती उतारते हैं। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताओं के कारण इस पर्व के स्वरूप में भी थोड़ी भिन्नता दिखाई देती है। हरियाणा के दक्षिणी हिस्से, विशेषकर पलवल, होडल, फरीदाबाद और नूंह के जो क्षेत्र ब्रज भूमि से सटे हुए हैं, वहां रासलीला मंडलियों और ब्रज शैली के कीर्तनों का गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। इसके विपरीत, चूंकि भगवान कृष्ण को एक महान मल्ल भी माना जाता है, इसलिए फरीदाबाद के धारिण जैसे कई गांवों में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में विशेष मेलों और कुश्ती के दंगलों का आयोजन किया जाता है। हरियाणा में कृष्ण और जन्माष्टमी की चर्चा कुरुक्षेत्र के बिना सर्वथा अधूरी है। यह केवल एक भौगोलिक स्थान मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव के आत्मसंघर्ष की वह भूमि है, जहां मनुष्य अपने कर्तव्य और सांसारिक मोह के बीच खड़ा होता है। कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में उसी ऐतिहासिक अक्षय वट के नीचे जन्माष्टमी पर विशेष आध्यात्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। यहां कृष्ण केवल जलशयोक्ति के नंदलाल नहीं रहते, बल्कि वे एक गंभीर योगेश्वर के रूप में पूजे जाते हैं। श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया कर्म का यह संदेश हरियाणा के मेहनतकश समाज के जीवन-दर्शन से हृबहू मेल खाता है। मौसम की परवाह किए बिना खेत में पसीना बहाने वाला किसान हो या देश की सीमाओं पर डटा हरियाणा का जवान, निष्काम कर्म की जो भावना गीता में बताई गई है, वह हरियाणवी जनमानस के स्वभाव में प्राकृतिक रूप से रची-बसी है। जब किसी गांव की चौपाल से कृष्ण की रागनी की कोई पुरानी तान सुनाई देती है या जब कोई महिला अपने घर के आंगन में कान्हा की छठी के गीत गाती है तो ऐसा प्रतीत होता है कि हजारों वर्ष पुरानी वह अलौकिक कथा आज भी हरियाणा की मिट्टी में सांस ले रही है। हरियाणा में श्रीकृष्ण केवल भगवान नहीं हैं, वे इस प्रदेश की आत्मा में रचे-बसे एक शाश्वत मार्गदर्शक हैं।

ग़ज़ल	कर्मचंद केसर
कुछ ना सै	
	
गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै। लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै। मतलब खातर हाथ मिलियाणा कुछ ना सै। अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै। रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की, बात-बात पै खूँड बजाणा कुछ ना सै। सुलफा गाँऊआ मॉंग धतूरा फीम बुरी, दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै। बटळी करले चै कितनी धन-माया तौ, उरियो रहजै गेल्लै जाणा कुछ ना सै। बाँगगे-बोलेते च्यार डोंकले लिखकै बस, अखबारों में नाम छपाणा कुछ ना सै। फास्ट फूड अर् लटरम-पटरम खावै लोग, होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै। चाल-चलन में खोट मगन मोह माया में, सिर टोप्पी चै भगवों बाणा कुछ ना सै। जूत लगैं अर मिलैं मित्र्याई खावण नैं, केसर इसी जगों पै जाणा कुछ ना सै।	

ग़ज़ल	रामफल गोड
मान मरै सै	
	
जिस माणस का मान मरै सै। जिन्दा ओ इनसान मरै सै। बेदोस्सी नै सजा मिलै तो, न्यूँ समझो संविधान मरै सै। मात पिता हों मरे बराब्बर, जिनका पूत जवान मरै सै। खड़जंग माट्ठे सै जिस घर म्हं, बच्चों की मुस्कान मरै सै। ओ जिन्दा बी मरे बराब्बर, जिसका दीन ईमान मरै सै। खेत रोवते बिलख बिलख जिव, तंगवी भोग किसान मरै सै। जात धरम पै कतल हुवै जिबं, मणसपणे कां ग्यान मरै सै। खतम हुवै सै वा संसकिरती, जिसकी मूल जबांन मरै सै। मोत मणस की इब न्यूँ रामफल, सरइक पै ज्यूँ स्वान मरै सै।	

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

बालपन

आनंद को खोजने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं, वह हमारे अतीत की किसी 'खोही' में भी छिपा हो सकता है

याद आता है बचपन की 'खोही' और बारिश में भीगा हुआ आनंद

लोकजीवन

रवि यादव

भले ही आज जमाना बहुत बदल गया है, सुविधाएं बढ़ गई हैं और जीवन की रफ्तार पहले से कहीं तेज हो गई है, लेकिन बचपन की कुछ यादें ऐसी होती हैं, जो समय के साथ धुंधली नहीं पड़ती। वे अचानक किसी दृश्य, किसी वस्तु, किसी खुशबू या बारिश की किसी बूंद के साथ फिर से हमारे सामने आ खड़ी होती हैं। ऐसी ही एक याद है - हमारे बचपन की 'खोही' या 'खोली'। आज की पीढ़ी शायद इस शब्द से परिचित न हो, लेकिन हमारे जैसे लोगों के लिए 'खोही' केवल सुतली से बनी बोरी नहीं थी और न ही प्लास्टिक से बना खाद का कट्टा था। वह खोही हमारे बचपन का हिस्सा थी, हमारी शरातों की साथी थी और कभी-कभी तो हमारे लिए छतरी का काम भी करती थी। मुझे आज भी याद है कि हमारे स्कूलों में उस समय टाट-पट्टी पर्याप्त संख्या में नहीं हुआ करती थी। इसलिए हम घर से सुतली से बनी बोरी या प्लास्टिक का कट्टा लेकर स्कूल जाया करते थे। स्कूल पहुंचते ही सबसे पहला काम होता था अपनी परांद की जगह तयशाना। जैसे ही जगह मिलती, हम अपनी बोरी वहां बिछा देते और उस पर अपना बस्ता रख देते थे। धीरे-धीरे वह जगह हमारे लिए किसी छोटे से 'प्लाट' की तरह हो जाती थी। मन में एक अदृश्य बोर्ड टंगा होता था - "यह मेरी जगह है, यहां कोई नहीं बैठेगा।" अगर कोई

दूसरा बच्चा हमारी जगह पर बैठ जाता तो मामला लगभग जमीन के विवाद जैसा ही जाता था। देरती अपनी जगह थी, लेकिन अपनी बोरी और अपनी जगह की हिफाजत उससे भी बड़ी जिम्मेदारी हुआ करती थी। उस समय हमारे पास आज जैसी सुविधाएं नहीं थीं,

लेकिन सुविधाएं बहुत थीं। साधन सीमित थे, मगर कल्पनाएं असीमित थीं। एक साधारण बोरी भी कभी बैठने की चटाई बन जाती थी, कभी सामान रखने की जगह और बारिश आ जाए तो वही बोरी खोही के रूप में हमारे सिर का ताज बन जाती थी। हमारे अहीरवाला क्षेत्र में इसे 'खोही' कहा जाता था। अलग-अलग क्षेत्रों में इसके अलग-अलग नाम रहे होंगे। यही तो हमारे देश की खुबसूरती है कि एक ही वस्तु अलग-अलग इलाकों में अलग नाम और अलग स्मृतियों के साथ जीवित रहती है। किसी के लिए यह बोरी होगी, किसी के लिए कट्टा, किसी के लिए कोई और स्थानीय नाम - लेकिन इससे जुड़ी बचपन की भावनाएं शायद लगभग एक जैसी ही होंगी। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ तो लगता है कि उस दौर में हमारे पास चीजें कम थीं, लेकिन उन्हें आनंद में बदलने की कला खूब थी। एक छोटी-सी चीज में खेल दूँद लेना, बारिश में भीगना, मिट्टी में पैर सानना, देरती के साथ हँसना और मामूली-सी चीज को भी खास बन देना, शायद यही बचपन था।

आज का दिन भी मेरे लिए कुछ ऐसा ही रहा। बारिश हो रही थी। छतरी घर में रखी थी और मैं उसे लेकर निकल सकता था, लेकिन मन ने कहा कि आज बारिश को महसूस किया जाए। आज खुशियों से उन्माद आनंद चाहिए था। और जब आनंद की बात आती है तो बचपन अपने आप सामने आ जाता है। नजर पड़ी एक चूरी के कट्टे पर। अचानक बचपन की वही 'खोही' याद आ गई। मैंने उसी अंदाज में उसे तैयार किया, जैसे बचपन में खोही घर पर रखकर बारिश से बचा करते थे। कुछ ही क्षणों में वह कट्टा मेरे सिर पर आ और मैं बारिश के बीच चल रहा था। उस पल लगा जैसे उस ने कुछ देर के लिए पीछे लौटने का रास्ता खोल दिया हो। चहरे पर बारिश की बूंदें थीं, लेकिन मन में बचपन की हंसी थी। आपस आपस आधुनिक दुनिया थी, लेकिन भीतर वही पुराना स्कूल, वही बोरी, वही अपनी जगह और वही देरती की आवाजें थीं। कभी-कभी जिंदगी में आनंद पाने के लिए बड़ी चीजों की जरूरत नहीं होती।

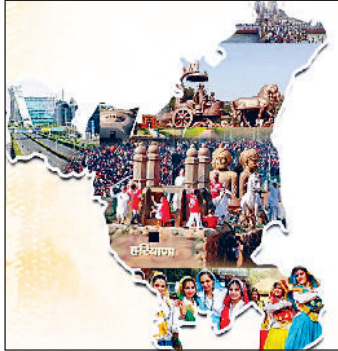
एक साधारण बोरी भी कभी बैठने की चटाई बन जाती थी, कभी सामान रखने की जगह और बारिश आ जाए तो वही बोरी खोही के रूप में हमारे सिर का ताज बन जाती थी।

महंगे साधन, बड़े पर्यटन स्थल या शानदार व्यवस्थाएं ही खुशी का कारण नहीं हैं। आनंद तो हमारे आपसपास बिखरा पड़ा है, बस उसे देखने वाली नजर चाहिए। एक पुरानी बोरी हमें बचपन में पहुंचा सकती है, बारिश की कुछ बूंदें पुरानी गलियों का यद दिला सकती हैं और कोई भूली-बिसरी वस्तु हमें उन लोगों तक ले जा सकती है, जिनके साथ हमने जीवन के सबसे सुंदर दिन बिताए थे। आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में शायद हमें फिर से उसी बच्चे की जरूरत है, जो छोटी-सी चीज में बड़ी खुशी खोज लेता था। इसलिए अपनी पुरानी यादों को केवल याद मत कीजिए, कभी-कभी उन्हें जी भी लीजिए। बारिश हो तो भीगिए, मिट्टी की खुशबू महसूस कीजिए, बचपन की कोई वस्तु हाथ में उठाइए और अपने भीतर छिपे उस बच्चे से मिलिए, जो आज भी कहीं न कहीं आपका इंतजार कर रहा है। आनंद को खोजने के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं है। वह हमारे अतीत की किसी 'खोही' में भी छिपा हो सकता है। बस जरूरत है, उसे पहचानने की। आनंद दूँदते रहिए और आनंदित रहिए।

हरियाणवी का संस्कृत और वैदिक साहित्य से गहरा नाता



हरियाणा केवल भारत के राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास का ही नहीं, बल्कि उसकी प्राचीन भाषिक परंपरा का भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। सरस्वती और दृषद्वती नदियों के मध्य स्थित यह क्षेत्र वैदिक सभ्यता की प्रमुख कर्मभूमि माना जाता है। अनेक विद्वानों का मत है कि ऋग्वेद सहित वैदिक साहित्य के अनेक मंत्रों की रचना इसी सांस्कृतिक परिवेश में हुई। यही कारण है कि हरियाणा की लोकभाषा और उसकी विभिन्न बोलियों में आज भी प्राचीन भारतीय भाषिक परंपरा की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। बांगरू, अहीरवाटी, बागड़ी, कौरवी तथा मेवाती जैसी बोलियाँ केवल ग्रामीण संप्रेषण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि भारतीय भाषाओं के विकासक्रम की जीवंत कड़ियाँ भी हैं। भाषावैज्ञानिकों के अनुसार हरियाणवी बोलियाँ मुख्यतः शीरसेनी अपभ्रंश से विकसित पश्चिमी हिंदी समूह की सदस्य हैं। यह वही भाषिक क्षेत्र है जिसने आगे चलकर खड़ी बोली, बज्ज, कन्नौजी तथा हरियाणवी जैसी बोलियों को जन्म दिया। इसलिए हरियाणवी और संस्कृत का संबंध प्रत्यक्ष न होकर एक दीर्घ भाषिक परंपरा के माध्यम से स्थापित होता है। इस दृष्टि से हरियाणवी में संस्कृत की अनेक ध्वनियाँ, शब्द, व्याकरणिक संरचनाएं तथा सांस्कृतिक



अभिव्यक्तियाँ आज भी सुरक्षित दिखाई देती हैं। ध्वन्यात्मक स्तर पर हरियाणवी अनेक प्राचीन विशेषताओं को संरक्षित किए हुए है। उदाहरण के लिए संस्कृत के मूर्धन्य 'ण' का प्रयोग हरियाणवी में आज भी व्यापक रूप से मिलता है। जहाँ मानक हिंदी में अनेक स्थानों पर 'ण' के स्थान पर 'न' का प्रयोग होने लगा है, वहीं हरियाणवी में पाणी, माणस, घणा, बाणी जैसे शब्द सहज रूप से बोले जाते हैं। यह विशेषता प्राचीन संस्कृत तथा शीरसेनी परंपरा की स्मृति को जीवित रखती है। इसी प्रकार कुछ स्थानों पर संयुक्त व्यंजनों के उच्चारण और ध्वनि-संरचना में भी प्राचीन भाषिक प्रवृत्तियों का प्रभाव दिखाई देता है। शब्द-संपदा की दृष्टि से भी हरियाणवी अत्यंत समृद्ध है। ग्रामीण जीवन में आज भी अनेक ऐसे शब्द प्रचलित हैं जिनकी जड़ें संस्कृत में मिलती हैं। उदाहरणस्वरूप 'गोधूम' से 'गेहूँ', 'क्षेत्र' से 'खेत', 'दुग्ध' से 'दूध', 'धुत' से 'घी',

'क्ष्मा' से 'भाई', 'पितृ' से 'पितर' तथा 'मातृ' से 'माता' जैसे शब्द भाषिक निरंतरता के सशक्त उदाहरण हैं। इन शब्दों का उच्चारण समय के साथ सरल अवश्य हुआ है, किंतु उनका मूल संस्कृत से जुड़ा हुआ है। यह परिवर्तन भाषा की स्वाभाविक विकास प्रक्रिया का परिणाम है, न कि उसके मूल स्वरूप के लोप का। व्याकरणिक स्तर पर भी हरियाणवी में अनेक ऐसी विशेषताएँ मिलती हैं जो उसे प्राचीन भारतीय भाषिक परंपरा से जोड़ती हैं। अनेक क्रियाएँ और धातु-आधारित शब्द संस्कृत से विकसित रूपों में आज भी प्रयुक्त होते हैं। उदाहरण के लिए 'करना' का संबंध संस्कृत की 'कृ' धातु तथा 'जाना' का संबंध 'गम्' धातु से माना जाता है। यद्यपि इनका वर्तमान रूप प्राकृत और अपभ्रंश के विभिन्न चरणों से होकर विकसित हुआ है, फिर भी इनके मूल स्रोत संस्कृत में निहित हैं। यही भाषिक निरंतरता हरियाणवी की ऐतिहासिक महत्ता को रेखांकित करती है। हरियाणा की विभिन्न बोलियों में संस्कृत के प्रभाव का स्वरूप भी अलग-अलग दिखाई देता है। मध्य हरियाणा की बांगरू बोली अपेक्षाकृत संतुलित और व्यापक रूप से प्रचलित है। दक्षिण हरियाणा की अहीरवाटी में राजस्थानी प्रभाव के साथ संस्कृत मूल के अनेक शब्द सुरक्षित हैं। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की कौरवी बोली में संयुक्त व्यंजनों के उच्चारण तथा ध्वनि-बल की विशेष प्रवृत्तियाँ देखने को मिलती हैं। इसी प्रकार पश्चिमी हरियाणा की बागड़ी और दक्षिणी क्षेत्र की मेवाती में भी स्थानीय प्रभावों के साथ संस्कृत-प्राकृत परंपरा की अनेक विशेषताएँ विद्यमान हैं।

कभी सरस्वती के तट पर गूंजने वाली वैदिक वाणी की प्रतिध्वनि आज भी हरियाणा के खेतों, चौपालों, लोकगीतों और रागनियों में अनुभव की जा सकती है।

इससे स्पष्ट होता है कि हरियाणा की प्रत्येक बोली भारतीय आर्य भाषाओं के विकासक्रम का अपना विशिष्ट स्वरूप प्रस्तुत करती है। हरियाणवी का संस्कृत से संबंध केवल भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और दार्शनिक स्तर पर भी अत्यंत गहरा है। वेदों और उपनिषदों में वर्णित प्रकृति के प्रति सम्मान, श्रम की महिमा, सत्य, कर्तव्य, पारिवारिक मर्यादा तथा लोककल्याण की भावना हरियाणा के लोकजीवन में आज भी स्पष्ट दिखाई देती है।लोकगीतों, रागनियों, सांग साहित्य, कहावतों और मुहावरों में इन जीवन मूल्यों की सहज अभिव्यक्ति मिलती है। अनेक लोककथाएँ और लोकविश्वास भारतीय दार्शनिक परंपरा की स्मृतियों को सरल लोकभाषा में संजोए हुए हैं। हरियाणा के सांग साहित्य और लोककवियों की रचनाओं में कर्म, धर्म, लोकमंत्र और ईश्वर के प्रति सम्पूर्ण जैने भाव-बार-बार व्यक्त होते हैं। ये वही मूल्य हैं जिनका उल्लेख वैदिक तथा उत्तरवैदिक साहित्य में मिलता है। ग्रामीण समाज में प्रचलित अनेक लोकोक्तियाँ अनुभवजन्य ज्ञान का

ऐसा रूप प्रस्तुत करती हैं, जिनमें भारतीय दार्शनिक चिंतन की प्रतिध्वनि सुनाई देती है। इस प्रकार हरियाणवी लोकसंस्कृति प्राचीन भारतीय ज्ञानपरंपरा की सशक्त वाहक सिद्ध होती है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि भाषाओं का विकास निरंतर परिवर्तन की प्रक्रिया है। इसलिए हरियाणवी को संस्कृत की प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी कहना भाषावैज्ञानिक दृष्टि से पूर्णतः उचित नहीं होगा। अधिक सटीक यह कहना होगा कि हरियाणवी भारतीय आर्य भाषाओं की उस दीर्घ विकास-शृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसकी प्रारंभिक आधारभूमि वैदिक संस्कृत रही है। इसीलिए हरियाणवी में संस्कृत के अनेक ध्वन्यात्मक, शब्दगत, व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक तत्त्व आज भी सुरक्षित दिखाई देते हैं। निरसंदेह हरियाणा की क्षेत्रीय बोलियां अपने भीतर एक गौरवशाली भाषिक और सांस्कृतिक इतिहास समेटे हुए हैं। उनका शब्द-भंडार, उच्चारण, व्याकरण तथा लोकसाहित्य भारतीय भाषाओं की प्राचीन परंपरा से उनके गहरे संबंध का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। कभी सरस्वती के तट पर गूंजने वाली वैदिक वाणी की प्रतिध्वनि आज भी हरियाणा के खेतों, चौपालों, लोकगीतों और रागनियों में अनुभव की जा सकती है। यही कारण है कि हरियाणवी बोलियों को केवल क्षेत्रीय बोली मानकर सीमित कर देना उनके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व का उचित मूल्यांकन नहीं होगा। वे भारतीय भाषिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं और हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की सशक्त संरक्षक भी।



तीन महिलाओं समेत 41 लोगों ने किया रक्तदान
गोहाना। शहर में महमूदपुर मार्ग स्थित आरके हिंदू स्कूल रविवार को संस्थापक रामकिशन सरोहा की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में तीन महिलाओं समेत 41 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर के मुख्य अतिथि स्कूल के एमडी जगबीर सिंह सरोहा और उनकी पत्नी अमिता थे। इन दोनों ने अपने भतीजे आदित्य के साथ क्रमशः 8वीं और 5वीं बार रक्तदान किया। आदित्य ने भी 5वीं बार रक्तदान किया। शिविर की अध्यक्षता तेजेन्द्र सरोहा और सरिता सरोहा ने की। आयोजन समिति में मनोज मान, राजेश लठवाल और रेखा कालड़ा ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में विशेष रक्तदाताओं में रोहतास मान, संजय दूहन, जितेंद्र मोर, बिजेंद्र सिवाच, अमित खोखर, डॉ. राजपाल यादव, भरत सिंह जागसी, एचडीएफसी बैंक की लाखनमाजरा शाखा के प्रबंधक सतीश शर्मा, महिला शिक्षिका सविता, सोनम और प्रवेश कुंडू ने रक्तदान किया।

सावित्रीबाई फुले महिला पार्क की सफाई का बीड़ा उठाएगी सेवा समिति

खरखौदा। सावित्रीबाई फुले सेवा समिति खरखौदा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की बैठक सैनी चौपाल में आयोजित हुई। जिसमें क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान सावित्रीबाई फुले महिला पार्क की बदहाल सफाई व्यवस्था का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। समिति सदस्यों ने बताया कि नगर पालिका की ओर से पार्कों के रखरखाव के लिए पहले निविदाएं जारी की जाती थीं, लेकिन इस बार निविदाएं नहीं छोड़ी गई हैं। जिसके चलते पिछले कई महीनों से पार्क की सफाई नहीं हो रही है और पार्क में खरपतवार का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि समिति अपने सदस्यों से सामूहिक सहयोग राशि एकत्रित करके निजी खर्च पर पार्क की सफाई और सौंदर्यीकरण करवाएगी। आगामी दो-तीन दिनों में सफाई कार्य शुरू कराया जाएगा तथा खरपतवार को हटवाया जाएगा। इस अवसर पर समिति प्रधान मदन कुमार, समिति उपप्रधान गोपाल, महासचिव मास्टर राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष बलवान सिंह, पूर्व पालिका वाइस चेयरमैन अजीत सैनी, सैनी समाज प्रधान धर्मबीर सैनी, पूर्व प्रधान रामकंवार सैनी, पूर्व प्रधान कृष्ण हलवाई, पंडित विजय सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से आमजन किसान, मजदूर और मेहनतकश वर्ग परेशान

■ दातौली में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकारिणी की बैठक

हरिभूमि न्यूज ►► गन्जौर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की कार्यकारिणी की आवश्यक बैठक रविवार को गांव दातौली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कामरेड प्रवेश गिरि ने की, जबकि मंच संचालन इलाका सचिव सतबीर कश्यप ने किया। इस दौरान पिछले कार्यों की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। सीपीआई के प्रदेश सह सचिव कामरेड सत्येंद्र गिरि एडवोकेट ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने एक सितंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली 'बदलाव जरूरी है रैली' में अधिक से अधिक लोगों को शामिल कराने के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। सत्येंद्र गिरि ने कहा कि महंगाई,



गन्जौर। (सीपीआई) की कार्यकारिणी रैली को लेकर बैठक के बाद पहुंचने की अपील करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

बेरोजगारी और भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर आमजन, किसान, मजदूर और मेहनतकश वर्ग परेशान है। उन्होंने महिलाओं, दलितों व पिछड़ों पर अत्याचार रोकने, रोजगार के अवसर बढ़ाने, खाली पद भरने, पेपर लीक व परीक्षा में धांधली रोकने तथा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करने की मांग उठाई। उन्होंने चारों श्रम सहिताएं रद्द करने, श्रम कानून लागू करने तथा मनरेगा में 200 दिन काम

ये रहे मौजूद

बैठक में कृष्ण गिरि, अनिल कश्यप, हेप्पी बेगा, मोनबीर गोस्वामी, प्रोतम कुमार, सूर्याश, प्रिय कश्यप और रामबीर कश्यप सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रेस विज्ञापित पवन सैनी एडवोकेट, जिला सचिव, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, पालीपट की ओर से जारी की गई।

और 700 रुपये दैनिक मजदूरी देने की मांग को लेकर रैली में पहुंचने की अपील की।

कार्यक्रम

पर्यावरण संरक्षण के लिए विभिन्न पार्कों में अभियान चलाकर रोपे पौधे

■ कार्यकर्ताओं ने रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

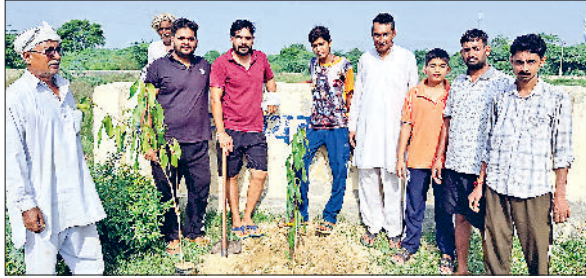
विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी की सोनीपत नगर शाखा के कार्यकर्ताओं ने एक पेड़ राष्ट्र के नाम जनसेवा अभियान के तहत लोगों के सहयोग से रविवार को शहरभर में पौधरोपण अभियान चलाया। इस दौरान पर्यावरण संतुलन व हरियाली बढ़ाने का संदेश देते हुए विभिन्न पार्कों में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए अभियान के तहत



पहले बहालगढ़ रोड स्थित ट्रैफिक पुलिस चौकी के पास हुडा पार्क में पौधरोपण किया गया। तत्पश्चात नंदवानी नगर स्थित हनुमान मंदिर

के सामने तिकोना पार्क में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस सामाजिक पहल में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

अभियान में लोगों के साथ बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक पौधे लगाने में अपना योगदान दिया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने बताया कि पौधे लगाना न केवल प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र की ओर से भविष्य में भी इस तरह के जनसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्य जारी रहेंगे। कार्यकर्ताओं ने रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस दौरान विवेकानंद केंद्र के कार्यकर्ता अनिल चुध, दीपांकर, राहुल, संजय भूटानी, रामपाल ठाकुर, जयनारायण शर्मा मौजूद रहे।



पर्यावरण संरक्षण मुहिम : नकलोई गांव में अभियान चलाकर लगाए 160 फलदार पौधे

सोनीपत। पर्यावरण संरक्षण की मुहिम के तहत नकलोई गांव के ग्रामीणों ने रविवार को पौधरोपण अभियान चलाया। रमेश दहिया के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने न केवल 160 पौधे रोपित किए, बल्कि गांव के युवाओं ने उक्त पौधों को पेड़ बनने तक उनकी देखभाल करने की शपथ भी ली। गांव की व्यायामशाला व योगशाला में पौधारोपण करते समय वन विभाग की टीम भी मौजूद रही। रमेश दहिया ने बताया कि गांव को हर-भरा बनाने के लिए विशेष मुहिम शुरू की गई है। जिसके अंतर्गत फलदार व औषधि युक्त पौधों का रोपण किया जा रहा है। व्यायामशाला और योगशाला में आम, जामुन और आवले के पौधे रोपित किए गए। अगले चरण में गांव के तालाबों के किनारों पर पौधरोपण किया जाएगा। ग्रामीणों को पौधरोपण के प्रति प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि शहर के साथ-साथ आज के वक्त में गांवों की हवा भी दूषित होती जा रही है, क्योंकि बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई हुई है। ऐसे में जरूरत है गांव को फिर से हर-भरा बनाने की। गांव की पहचान उसकी हरियाली ही होती है। इस दौरान गांव के सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र दहिया, प्रवेश, मोहित, संदीप दहिया, बलवान सिंह सहित वन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

गांव बड़ौली की मिट्टी ने दिए संस्कार अपनों का प्यार मेरी ताकत : चेयरमैन

■ हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो का चेयरमैन बनने के बाद पैतृक गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ►► राई

हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो का चेयरमैन बनने के बाद अपने पैतृक गांव बड़ौली पहुंचे चेयरमैन का ग्रामीणों ने फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। गांव पहुंचने पर मिले आत्मीय स्नेह और सम्मान से चेयरमैन भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि बड़ौली केवल उनका पैतृक गांव नहीं, बल्कि उनकी पहचान और संस्कारों



राई। हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो का चेयरमैन पैतृक गांव बड़ौली में संबोधित करते हुए।

की भूमि है। इसी मिट्टी में उनका बचपन बीता और बुजुर्गों के आशीर्वाद व ग्रामीणों के प्यार ने उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु की महिमा का किया बखान

सोनीपत। इसकाँन प्रचार समिति ने रविवार को वेस्ट रामनगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया। प्रभातफेरी की शुरुआत गौरी नंबर 1 से की गई। प्रभातफेरी के दौरान अंगवाल धर्मशाला में 27 सितंबर से 3 अक्टूबर तक होने वाली श्रीमद्भागवत कथा का प्रचार-प्रसार किया गया। प्रभातफेरी के दौरान जगह-जगह हरिनाम संकीर्तन कर हरिनाम की महिमा के बारे में बताया गया। मार्ग में श्रद्धालुओं ने हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी का स्वागत किया। समिति सदस्यों ने भक्तों को प्रसाद वितरित किया। तत्पश्चात रघु कुमार दास ने डॉ. कृष्ण कुमार के निवास पर संकीर्तन में सबसे ऊंची प्रेम सगाई मजन सुनाकर सभी भक्तों का मन मोह लिया। संकीर्तन में कृष्ण कृपा दास, कृष्ण कुमार गर्ग, शांत नरसिंह दास, ईश्वर चंद गौड़, सहदेव प्राण दास, बुजानरदा दास, युगल धर्मदास, कृष्ण पांचाल, सुंदर सिंह, रामसेवक दास, मास्टर जयभगवान, श्याम सिंह रावत सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।



जनस्वास्थ्य विभाग में 84 कर्मचारी पदोन्नति को नकार कर भी एससी का उठा रहे लाभ

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत।

जिला जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में करीब 84 कर्मचारी पदोन्नति को नकार कर भी आश्वासित कैरियर प्रगति (एससीपी) का लाभ उठा रहे हैं। यह केवल आरोप है या सचमुच में गड़बड़झाला, यह स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है। आरोप है कि इन कर्मचारियों को पदोन्नति मिलने के बावजूद उन्होंने एससीपी को लेना उचित समझा, जबकि पदोन्नति को नकार दिया। जिससे सरकार को हर माह लाखों रुपये का चूना लगाया जा रहा है, जबकि अधिकारी इस बात से अज्ञान बने हुए हैं। हालांकि मामले की शिकायत स्थानीय अधिकारियों से लेकर पंचकूला उच्च अधिकारियों तक पहुंच चुकी है, लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इस प्रकार कर्मचारी मोज में है, जबकि सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

साधारण तौर पर बात करें, तो एक सरकारी कर्मचारी को पदोन्नति न मिलने पर वित्तीय लाभ देने का प्रावधान है। जब किसी कर्मचारी

आरोप : 84 कर्मियों की पदोन्नति रोक, 85वें को दिया परमोशन

रोशनलाल का आरोप है कि वह भी विभाग में कर्मचारी के तौर पर कार्यरत हैं। अधिकारियों ने कई माह में 84 कर्मचारियों की पदोन्नति रोक कर उनका परमोशन कर दिया, जबकि उनका ज्येष्ठता सूची सीरियल अनुसार 85वां नंबर था। उनकी मांग है कि पदोन्नति व संबंधित लाभ के मामले में मेदगाव नीति अगुआई जा रही है। अब पदोन्नति करण ही है, तो सूची सीरियल अनुसार 1 नंबर से कर्मचारियों को पदोन्नत किया जाए। 1 अप्रैल से पदोन्नति न लेने के बाद अब तक जितने कर्मचारियों को आर्थिक लाभ दिया गया।

की तय समय (जैसे 10, 20 या 30 साल या पुराने नियमों के तहत 12 व 24 साल) तक सेवा पूरी करने के बाद भी पदोन्नति नहीं मिलती। ऐसी स्थिति में उनका वेतन बढ़ा दिया जाता है। एससीपी मिलने से कर्मचारी का वेतन व ग्रेड व बढ़ जाता है।

रास्ता बनने से किसानों को खेत तक आने-जाने और फसल मंडी तक पहुंचाने में मिलेगी सुविधा

■ धतूरी में 25.76 लाख से डेढ़ किमी खेत का रास्ता पक्का हरिभूमि न्यूज ►► गन्जौर

धतूरी में खेत-खलिहान योजना के तहत पीडब्ल्यूडी रोड से किसान बिजेंद्र के खेत तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा खेत का रास्ता बनकर तैयार हो गया है। 25.76 लाख रुपए की लागत से तैयार करीब 16 फीट चौड़े रास्ते का विधायक देवेंद्र कादियान ने नारियल फोड़कर उद्घाटन किया। रास्ता बनने से किसानों के खेतों तक आने-जाने और फसल मंडी तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे विधायक का ग्रामीणों ने फूलमालाओं से स्वागत किया और रास्ते का निर्माण कराने पर आभार जताया। विधायक कादियान ने कहा कि विस क्षेत्र में खेतों के रास्तों को प्राथमिकता के आधार पर



गन्जौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने नारियल फोड़कर 16 फीट चौड़े रास्ते का उद्घाटन करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

पक्का कराया जा रहा है। कच्चे रास्तों के कारण किसानों को बारिश के दिनों में खेतों तक पहुंचने और फसल को बाहर लाने में परेशानी होती है। खेतों के रास्ते पक्के होने से किसानों की यह दिक्कत नहीं होगी और वे अपनी फसल को आसानी से मंडी तक पहुंचा सकेंगे। बरसात के समय किसानों को दिक्कत न सामना करना पड़ता था। अब पक्का रास्ता बनने से ट्रैक्टर-ट्रॉली

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर रामेश्वर त्यागी, ईश्वर त्यागी, दुस्तंत, कपिल, सुशील कुमार, गौड़, अशोक, निखिल, नितिन त्यागी, उमेश कुलश्रेष्ठ, संजय, दीपांशु, अनुज, निशांत आदि मौजूद रहे।

समेत अन्य वाहनों से खेतों तक पहुंचाना और फसल को बाहर लाना आसान होगा।



सोनीपत। मंच के पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए

फोटो : हरिभूमि

नेत्रदान में उत्कृष्ट कार्य के लिए मंच सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

डा. श्राफ आई बैंक दरिया गंज दिल्ली द्वारा महात्मा आशा नन्द वधवा हिन्दू मंच सोनीपत को नेत्र दान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। यह सम्मान आई बैंक के सीएमडी डा. उमंग माथुर और एमडी ड. मनीषा आचार्या के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। शराफ आई बैंक दिल्ली के सभागार में आयोजित समारोह के दौरान नेत्र दान पखवाड़े के सफल होने पर यह सम्मान सौंपा गया। इस अवसर पर

डा. उमंग माथुर ने मंच की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्था ने बहुत ही अल्प समय में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने विशेष रूप से संस्था के प्रधान हरचंद स्नेही और महासचिव हर भगवान रहेजा का आधार प्रकट करते हुए कहा कि दोनों शक्तिशाली अस्वस्थ होते हुए भी नेत्र दान के क्षेत्र में दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। सम्मान ग्रहण करने वालों में संयोजक हंस राज वधवा, केशव, मदन लाल कल्याल, राम किशन बत्रा, देस राज अरोड़ा और ऋषि पाल भदानी शामिल रहे।

खबर संक्षेप



बिजली कर्मी आज जलाएंगे नोटिफिकेशन की प्रतियां

गोहाना। हरियाणा बिजली कर्मचारी संघ एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर बिजली कर्मियों द्वारा गोहाना हलका के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और बरोदा हलका के विधायक इंद्रराज नरवाल के कार्यालय पर जाकर ज्ञापन सौंपे गए। आल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन की राज्य कमिटी के सदस्य सुरेश यादव और एचएसईबी वर्कर यूनियन के राज्य चेयरमैन अनिल कौशिक ने कहा कि सरकार की नीतियों के विरोध में 31 अगस्त को पूरे प्रदेश के सभी बिजली सब डिवीजनों पर निजीकरण से संबंधित नोटिफिकेशन की प्रतियां जलाई जाएंगी।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

गोहाना। क्राइम यूनिट गोहाना की पुलिस ने गांव बिधल के जितेंद्र को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस टीम को सूचना मिली कि जितेंद्र के पास अवैध हथियार है जो खेत से अपने गांव की तरफ आया। पुलिस ने उसे काबू करके तलाशी ली तो उसके पास अवैध देशी पिस्तौल मिला।

गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए लगाए पौधे



गोहाना। समाज कल्याण संगठन ने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान में नीम, अमरूद, जामुन, आम, नींबू, अंजीर, चिकू और जंगली जलेबी के 42 पौधे रोपे। पौधारोपण जौद-बरोदा लिंक मार्ग व जौद मार्ग अनाथाश्रम में किया गया। ऋषिका के जन्मदिन पर मित्तल परिवार ने 12 पौधे रोपे।

पुलिस कमिशनर कार्यालय पर कल धरना देंगे कर्मचारी संगठन

सोनीपत। हुड्डा पब्लिक हेल्थ कर्मचारी यूनियन समेत विभिन्न कर्मचारी और सामाजिक संगठनों की ओर से सोमवार को पुलिस कमिशनर सोनीपत के राई कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। दोपहर 12 बजे होने वाले प्रदर्शन के बाद पुलिस कमिशनर को ज्ञापन सौंपकर रामकिशन नागर और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा मामले में नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की जाएगी। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रामकिशन नागर ने रविवार को प्रेस बयान जारी कर कर्मचारियों और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों से प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। रामकिशन नागर के अनुसार, प्रदर्शन में हुड्डा पब्लिक हेल्थ कर्मचारी यूनियन, ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच, मूल निवासी कर्मचारी संघ, नगर निगम सोनीपत के वाटर पंप ऑपरेटर, समता सैनिक दल सोनीपत, मिड-डे मील वर्कर पदाधिकारी, कौशल रोजगार निगम कर्मचारी, ठेका प्रशा कर्मचारी तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। नागर ने बताया कि ज्ञापन में मुख्य रूप से मांग की जाएगी कि मामले में अब तक केवल एक इंद्रजीत नामक ठेकेदार की गिरफ्तारी हुई है, जबकि प्राथमिकी में नामजद करवा 10-11 लोग अभी बाहर हैं। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों से उन्हें और उनके परिवार को जान-माल का खतरा है। इसलिए सभी नामजद आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की मांग की जाएगी।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुगम **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/-
10X 8 से.मी		रु. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छुट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट नहीं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

बकाया गृहकर जमा करवाने में आई जागरूकता

55 शहरवासियों ने दो दिन अवकाश में भी जमा करवाए 7.27 लाख रुपये

गृहकर पर 75% ब्याज छूट की आज अंतिम तारीख



सोनीपत। नगर निगम कार्यालय में गृहकर जमा करवाने वाले उपभोक्ताओं की लगी भीड़। फोटो : हरिभूमि

करने के लिए अलग-अलग माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है। कभी मुनादी करवाकर लोगों में जागरूकता लाई जा रही है, तो कहीं पोस्टर, बैनर चस्पाए गए हैं। छूट योजना के तहत वर्ष 2011-12 से अब तक के बकाया गृहकर को जमा करने पर ब्याज की राशि में 31 अगस्त तक 75 प्रतिशत छूट प्रदान की गई है। हालांकि योजना का लाभ लेने के लिए अब केवल एक दिन का समय शेष बचा है। ऐसे में शहरवासी गृहकर जमा कराने के लिए नगर निगम कार्यालय पहुंच रहे

ऑनलाइन भी जमा करवा सकते हैं बकाया गृहकर

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि बकाया गृहकर को ऑनलाइन माध्यम से भी जमा करवाया जा सकता है। ऑनलाइन गृहकर जमा करने के लिए वेबसाइट **ulbharyana.gov.in** या **ndc haryana** पोर्टल पर जाकर शहर का विकल्प चुनकर करें। इसके बाद वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करें। प्रॉपर्टी आईडी के विकल्प में अपना प्रॉपर्टी आईडी नंबर डालकर विकल्प करते ही बिल से संबंधित जानकारी स्क्रीन पर दिखाई देगी। जानकारी सही है, तो पेमेंट के लिए आगे बढ़ें। यदि बिल में कोई गड़बड़ी है, तो इसे ठीक करने के लिए निगम की प्रॉपर्टी शाखा में संपर्क किया जा सकता है।

छूट का लाभ उठाएं मकान मालिक

नगर निगम की ओर से संपत्ति मालिकों से अपील की गई है कि वह 31 अगस्त तक बकाया गृहकर जमा कराकर 75 फीसदी ब्याज छूट का लाभ उठाएं। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद छूट का लाभ नहीं मिलेगा और बकाया राशि पर नियमानुसार ब्याज देय होगा। बकाया गृहकर पर 75 फीसदी ब्याज छूट की अवधि 31 अगस्त को खत्म हो जाएगी। जो उपभोक्ता सोमवार तक गृहकर जमा कराएगा, उसको ही योजना का लाभ मिल सकेगा। ऑफलाइन के अलावा ऑनलाइन भी गृहकर जमा कराया जा सकता है।

-सुनीता, क्षेत्रीय कर अधिकारी, नगर निगम, सोनीपत

हैं। निगम को उम्मीद है कि छूट की अंतिम तिथि के साथ सोमवार को बकाया गृहकर जमा कराने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। विशेष

बात यह सामने आई कि रविवार को दो उपभोक्ताओं ने एक-एक लाख रुपये से अधिक का गृहकर जमा करवाया है।

युवाओं के हक के लिए मजबूती से लड़ेंगे लड़ाई : दिवान

हरिभूमि न्यूज़ ►► सोनीपत

मुरथल स्थित एक होटल में हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की एक अहम बैठक आयोजित की गई। यह बैठक हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सत्यवान गहलोत और प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम का सफल संयोजन मनोष रांगी द्वारा किया गया। बैठक में सोनीपत के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान पूरे प्रदेश से जुटे युवा कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन के विस्तार, जनसमस्याओं



सोनीपत। बैठक में पहुंचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमल दिवान का स्वागत करते हुए।

और आगामी राजनीतिक रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया। बैठक में शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हरियाणा का युवा गंभीर बेरोजगारी की मार झेल रहा है। उन्होंने दोड़क कहा कि युवा कांग्रेस युवाओं के हकों के लिए चुप

नहीं बैठेगी और बेरोजगारी के मुद्दे को सड़क से लेकर संसद तक पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा। बैठक में प्रदेश प्रभारी सत्यवान गहलोत और प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने सभी पदाधिकारियों को आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और जनआंदोलनों को लेकर दिशा-निर्देश दिए।

एकजुटता का लिया संकल्प

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश पोसवाल, मोहित शर्मा और महबूब ने भी अपने विचार रखे तथा कार्यकर्ताओं में नया जोश भरा। युवा कांग्रेस के मीडिया प्रभारी प्रदीप यादव ने संगठन के आगामी प्रचार-प्रसार, सोशल मीडिया रणनीति और मीडिया अभियानों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुख्य रूप से अजुज लाठवाल, ध्रुव लाठवाल, भारत नांदल सहित बड़ी संख्या में प्रदेश, जिला एवं विधानसभा स्तर के युवा कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के समापन पर सभी ने एक स्वर में संगठन विस्तार को गति देने और जनहित के मुद्दों पर पूरी एकजुटता के साथ संघर्ष करने का संकल्प लिया।

एकजुटता से जाट भवन निर्माण कार्य पूरा करने का संकल्प



जाट महासभा गोहाना के सर्वसम्मति से बने अध्यक्ष संजय दूहन ने विवाद को समाप्त कराने में सहयोग करने वाले लोगों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जाट भवन समाज की एक महत्वपूर्ण संरुत है और सभी के सहयोग तथा एकजुट प्रयासों से इसका निर्माण कार्य भव्य रूप से पूरा किया जाएगा।

गुड़ मंडी में विधायक निखिल मदान ने कार्यकर्ताओं संग सुनी ‘मन की बात’



सोनीपत। विधायक निखिल मदान ने रविवार को बूथ नंबर 145 के अंतर्गत गुड़ मंडी में पूर्व निगम पार्षद अतुल जैन के आवास पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ का 137वां संस्करण सुना। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कार्यक्रम समाज के असाधारण प्रयासों को सामने लाकर उन्हें सम्मान और पहचान देता है। इससे सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाली प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री युवाओं के सराहनीय प्रयासों को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिसके लिए वह उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के रामपुर के पटवाई गांव के युवाओं आकाश और रोहन के स्वच्छता अभियान का उल्लेख किया। दोनों युवाओं ने कचरे के बैग उठाकर सफाई अभियान शुरू किया, जिसके बाद अन्य युवा भी जुड़ते गए और ‘क्लीन-अप पटवाई’ टीम बनी। टीम अब तक चार गंगा घाटी की सफाई कर एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा हटा चुकी है। इस अवसर पर पूर्व निगम पार्षद अतुल जैन, नरेश वर्मा, नीरज आत्रेय, अनिल जैन, मुकेश मित्तल, प्रेमचंद जैन, नरेंद्र मंगला, दौलतराम मित्तल, कृष्ण जैन, नरेश शर्मा, मुकेश जैन, सुनील रोहिल्ला आदि मौजूद रहे।

बादशाही रोड से राजलू गढ़ी रेलवे अंडरपास तक सड़क की परत उखड़ी, हादसे का खतरा

पंचायत विभाग की सड़क बدهाल, ग्रामीणों में रोष



गन्नीर। बरसात में टूटा हुआ सड़क का आधा हिस्सा।

हरिभूमि न्यूज़ ►► गन्नीर

बादशाही रोड से राजलू गढ़ी रेलवे अंडरपास की ओर जाने वाली पंचायत विभाग की सड़क बरसात के कारण लगातार क्षतिग्रस्त होती जा रही है। हैरानी की बात है कि प्रशासन के संज्ञान में मामला आने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है जिससे ग्रामीणों में रोष है। राहगीरों का कहना है कि अक्षवित्तीकरण सड़क के कारण अगर कोई हादसा होता है तो उसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से प्रशासन की होगी। यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो आगामी तेज बारिश में स्थिति और गंभीर हो सकती है। बरसात के दौरान सड़क पर पानी जमा होने और लगातार बारिश के कारण सड़क की परत उखड़ रही है। सड़क टूटने से वाहन चालकों को बचकर निकलना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार इस मार्ग से राजलू गढ़ी और आसपास के क्षेत्र के लोगों का आवागमन होता है। सड़क की हालत इसी तरह बिगड़ती रही तो गांव में आने-जाने का रास्ता प्रभावित हो सकता है। समाचार प्रकाशित होने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि यदि अब तेज बारिश हो गई तो सड़क का बचा हुआ हिस्सा भी टूट सकता है और रास्ता पूरी तरह बंद होने की स्थिति बन सकती है।

दूसरा रास्ता भी बरसात में बनता है परेशानी का कारण

राजलू गढ़ी से सोनीपत और गन्नीर आने-जाने के लिए रेलवे स्टेशन के समीप पड़ते वाला रास्ता भी उपयोग में आता है। ग्रामीणों के अनुसार बरसात के दौरान रेलवे अंडरपास में पानी भर जाने से इस रास्ते पर भी आवागमन बाधित होता है। ऐसे में पंचायत विभाग की सड़क क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों के सामने आवागमन का संकट और गहरा सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क की स्थिति का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य कराया जाए, ताकि बारिश के दौरान रास्ता बंद होने और किसी हादसे की स्थिति से बचा जा सके।

सड़क टूटने की समस्या प्रशासन के संज्ञान में, कार्रवाई के लिए हैं आदेश : एसडीएम

इस बारे में गन्नीर के एसडीएम प्रवेश कादियान ने बताया कि सड़क टूटने की समस्या उनके संज्ञान में है। उन्होंने पंचायत विभाग के अधिकारियों को मौका निरीक्षण कर तुरंत समाधान के आदेश दिए हैं। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की है तो अपडेट ली जाएगी और कार्रवाई होगी।

शुगर मिल के बाहर किसानों ने धरना देकर जताया रोष

गन्ने का रेट 700 रुपये विंटल करने की मांग



सोनीपत। शुगर मिल परिसर के बाहर धरना देकर अपनी मांगों को लेकर रोष जताते किसान। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़ ►► सोनीपत

सोनीपत शुगर मिल का नए सिरे से निर्माण करवाने और गन्ने का भाव 700 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर रविवार को किसानों ने शुगर मिल के बाहर धरना देकर सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर रोष जताया। किसानों ने शुगर मिल के बाहर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक धरना देकर अपनी मांगों को उठाया। किसानों ने बताया कि किसानों को मौजूदा शुगर मिल की बدهाल व्यवस्था का खामियाजा हर पिराई सत्र में भुगतना पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि सोनीपत शुगर मिल की हालत ऐसी है कि पिराई सत्र के दौरान उन्हें अपना गन्ना लेकर उत्तर प्रदेश, पानीपत व गोहाना की मिलों का रुख करना पड़ता है। इससे किसानों को गन्ने की ढुलाई पर

अतिरिक्त खर्च उठाने के साथ-साथ समय की भी बर्बादी होती है। किसानों ने सरकार से मांग की, कि सोनीपत शुगर मिल को नए सिरे से तैयार किया जाए। जब तक मिल का निर्माण नहीं होता, तब तक किसी बेहतर कंपनी को टेंडर देकर पिराई सत्र का संचालन करवाया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। धरने पर बैठे किसानों ने बताया कि वह अपनी मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं। किसानों ने ऐलान किया कि गोहाना रोड स्थित छोटाराम धर्मशाला में 2 सितंबर को गन्ना किसानों की महापंचायत बुलाई गई है। इसमें आगामी आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। किसान नेता वीरेंद्र पहल ने बताया कि जब तक किसानों की मांगों का समाधान नहीं होता, उनका संघर्ष जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा का माध्यम : बड़ौली



सोनीपत। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहन लाल बड़ौली ने रविवार को अपने आवास पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम का प्रसारण सुना। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और विभिन्न विषयों पर साझा किए गए विचारों पर चर्चा की। कार्यक्रम के बाद मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ‘मन की बात’ कार्यक्रम देशवासियों को राष्ट्र निर्माण और समाजहित के कार्यों के लिए प्रेरित करने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री प्रत्येक माह देश के अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को देशवासियों के सामने रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने युवाओं को नशे से दूर रखने, स्वच्छता, महिला सशक्तीकरण, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और जनभागीदारी के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने पर जोर दिया। इस अवसर पर भाजपा नेता में माईराम कौशिक, बबोता दहिया के अलावा भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

‘एक पेड़ राष्ट्र के नाम’ अभियान के तहत दो पार्कों में पौधरोपण



सोनीपत। वितेकानंद केंद्र कच्चाकुमारी की सोनीपत शाखा के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय नागरिकों के सहयोग से रविवार को एक पेड़ राष्ट्र के नाम अभियान के तहत जनसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। अभियान के दौरान शहर के दो प्रमुख पार्कों में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और शहर में हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। पहला पौधरोपण अभियान बहालनगढ़ रोड स्थित टैफिक पुलिस चौकी के निकट हुडा पार्क में चलाया गया। इसके बाद नंदवाली नगर स्थित हनुमान मंदिर के सामने तिकोना पार्क में भी पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में वितेकानंद केंद्र के कार्यकर्ता अनिल चुपू, दीपांकर, राहुल और संजय भूतानी मौजूद रहे। स्थानीय नागरिकों ने भी अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। रामपाल ठाकुर, जय नारायण शर्मा सहित स्थानीय बच्चों ने पौधे लगाने में योगदान दिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पौधरोपण प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने के साथ आने वाली पीढ़ियों को स बेहतर पर्यावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।